प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

स्वच्छता में प्रथम आने पर कुलपति ने दी बधाई

राज्यपाल एवं राज्य सरकार के मंत्रियों का आभार प्रकट किया

पंतनगर। १७ सितम्बर २०१७। राष्ट्रीय स्तर पर हुयी प्रतियोगिता में पंतनगर विश्वविद्यालय को स्वच्छतम उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. जे. कुमार, ने आज प्रशासन भवन स्थित अपने सभागार में एक प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं परिसरवासियों को बहुत-बहुत बधाई दी तथा परिसर को स्वच्छ रखने में उनके योगदान की सराहना की। साथ ही डा. जे. कुमार ने उत्तराखण्ड के राज्यपाल, डा. के.के. पॉल, का भी बहुत आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सभी विश्वविद्यालयों के परिसर को ग्रीन परिसर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया तथा इसको पाने के लिए प्रत्येक तीन माह पर उनके द्वारा की जाने वाली बैठक में इस लक्ष्य की ओर बढ़ने के विश्वविद्यालयों के प्रयासों का लगातार अनुश्रवण किया। राज्यपाल के ग्रीन परिसर के लक्ष्यों को पूर्ण करने के प्रयासों के कारण ही पंतनगर विश्वविद्यालय यह पुरस्कार प्राप्त करने में सफल हुआ। कुलपति ने उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री, त्रिवेन्द्र सिंह रावत; कृषि मंत्री, श्री सुबोध उनियाल; उच्च शिक्षा मंत्री, धन सिंह रावत एवं विद्यालयी शिक्षा मंत्री, श्री अरविन्द पाण्डे, के सहयोग के लिए भी उन सभी का धन्यवाद दिया, जिसके कारण इस पुरस्कार को पाने में विश्वविद्यालय सक्षम हो सका। डा. कुमार ने परिसर को स्वच्छ बनाने के लिए विश्वविद्यालय के निर्माण एवं संयंत्र निदेशालय तथा उद्यान अनुभाग का विशेष रूप से आभार प्रकट किया, जिनके कारण विश्वविद्यालय में साफ-सफाई एवं पौधा रोपण की मुहिम को आगे बढ़ाने में सफलता प्राप्त हुई। इस क्रम में उन्होंने निदेशालय के अभियंता, श्री आर.के. अग्रवाल, श्री डी.के. दिवाकर, श्री सेवाराम; उद्यान अनुभाग के प्रभारी, डा. संतोष कुमार; तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष, डा. एच.एल. मंडोरिया का विशेष रूप से जिक्र किया। विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना तथा 'वर्क प्रोग्राम' के अन्तर्गत प्रत्येक छात्रावास एवं परिसर में की गयी सफाई के लिए कुलपति ने उनकी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय में लगभग १ लाख नये पौधों का रोपण किया जाता है, ताकि यहां के पर्यावरण को आस-पास के उद्योगो से हो रहे प्रदूषण से बचाया जा सके। साथ ही परिसर में स्थित अवासों का कूड़ा इक्ट्ठा करने तथा परिसरवासियों में गंदगी न फैलाने की जागृति लाने के लिए जनवरी २०१७ से अलग से वाहनों का प्रयोग किया जा रहा है। डा. जे. कुमार ने कहा कि स्वच्छ उर्जा के लिए सौर्य पैनल भी प्रयोग में लाये जा रहे हैं। छात्रावासों की मरम्मत की गयी है तथा विश्वविद्यालय के पुराने जीर्ण-शीर्ण भवनों, पानी के पाइपों की मरम्मत तथा परिसर में सीवर लाईन डालने हेतु राज्य सरकार से अनुदान की मांग की गयी है, जिसके प्राप्त होने के बाद इन सब क्षेत्रों में सुधार से पंतनगर परिसर को और अधिक स्वच्छ बनाया जा सकेगा।

निदेशक, निर्माण एवं संयंत्र निदेशालय, डा. एस.एस. गुप्ता ने दिल्ली के अशोक होटल में हुए कार्यक्रम में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मत्री, श्री प्रकाश जावड़ेकर, से अवार्ड प्राप्त करने की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में विभिन्न समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि के साथ-साथ विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मीडिया प्रतिनिधियों ने परिसर के बाजार के भवन की मरम्मत तथा सिडकुल स्थित उद्योगों द्वारा भूमिगत

जल को प्रदूषित किये जाने की ओर ध्यान आकृष्ट किया। प्रेस वार्ता के प्रारम्भ में निदेशक संचार, डा. नीलम भारद्वाज ने सभी पत्रकारों व उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया।

ज्ञात हो कि पंतनगर विश्वविद्यालय को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रधान मंत्री के स्वच्छता मिशन के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिता में राजकीय संस्थानों की श्रेणी में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। यह पुरस्कार कल केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मत्री, श्री प्रकाश जावड़ेकर, ने दिल्ली के अशोक होटल में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया था, जिसे विश्वविद्यालय की ओर से निर्माण एवं संयंत्र निदेशालय के निदेशक, ई. एस.एस. गुप्ता तथा तकनीकी एवं योजना प्रकोष्ठ के समन्वयक, डा. मनोज कुमार, ने प्राप्त किया।

राजकीय संस्थानों की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर मिले प्रमाण-पत्र एवं प्लेक के साथ (बांये से दाये) श्री आर.के. अग्रवाल, श्री डी.के. दिवाकर डा. जे. कुमार, डा. संतोष कुमार, श्री सेवाराम एवं डा. एस.एस. गुप्ता ।